



ॐ

ॐ

वैदिक
काव्यमा वदितुं शक्यं

इति

२०

वैदिक
काव्यमा वदितुं शक्यं

#37



सा. २५

१ नमः श्रीगणेशाय ॥ नमो ह्यग्रीवाय ॥ प्रथम्ययत्रमात्मानं वा नधीवृद्धिसिद्धय ॥ सानस्वकि
मृशं कुर्वप्रक्रियानामिविस्तृतं ॥ ॐ दादयापियस्यां कं नययुः ॥ गदवात्रिधः प्रक्रियानस्य कः
स्तस्य कमावकुं नलेकथं ॥ कृतावकसस्तसं व्यवहाराय संगृह्यक ॥ अ० उ० म० समाना ॥ अ०
न्यनप्रत्याहानग्रहमायवर्त्तः ॥ यत्रिगं न्यक ॥ कषासमानसंस्तवविद्विद्यक ॥ नैकयस्य प्रसूति
ननसधियोऽविवक्तिरुत्वा ॥ विवक्तिरुत्संधिर्नैकनिनियमा ॥ लोकि कप्रयागनिष्पन्न
यः समयमात्रत्वाच्च ॥ रुस्वदीर्घपूलरुदाः सर्वर्त्तः ॥ एतथां रुस्वदीर्घपूलरुदाः यनस्यन

विधि

अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ ६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ १० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ २८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ अथ मन्त्रानां लक्षणविधानं एतमतीव मह्यम् ॥ ३० ॥

किं हृदयति ॥ किं हृदयति

[illegible]

भारुमात्रमसूक्ष्मनामसाधनोपःकृतानयाः जूतः स रमानेन वा श्रुत्वा ॥ ३

ॐ

[illegible]

22

दिउक्रीडायां॥दीयतीतिदेवः॥यचिनदिग्रहोदरदुर्गिणिः॥अथत्ययनाप्रसंतावांइत्यदिदेवः॥

[illegible]

٧٨

25

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

विषय एका ३

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

नील दृश्य

七

[illegible]

24

असुखादिषु यवेषु यिन नोगयितव्या धनं नमका नाकात्यवस्य धनं नरुवति ॥ सवधिदुष्टित्वादि ॥
 लायश्मदयि कशा अमृगभात्रस्य गमानं ४ पृं सशासि गयिन वं यिन नो यितु न अर्नं गद स द स सापि नापि
 रुस्यां यिरुस्यां यिरु तिशा पूर्ववत् गायि रु यिरु स्यां यिरु स्य ४ अताद उशा यिरु यिरु स्यां यिरु स्य ४
 यिरु शापि रु शा न उमे गे शा ना निगसु न्ना दान क यिरु तां गदो मा अका वस्य वं न वगि द्यो य वं यिन नि ॥
 यिरु शापि रु युरा न व्राना नि दी य शा न स द स्य वा दी धी रु य नि ना मि य नं ग वं गं गं यिरु स द व र ॥ ७ वं
 जा मा रु शा ना द ग शा क र्त्त स द स्य गं ३ सु वि लय शा सु वा द्वा स का व रु प स्य ग म द्वां ध न अ का व स्या न रु व

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

वि ४

[illegible][illegible]

गमा, समा, सिमा, नमा, एका, युवा, यना, दक्षिणा, उरुना, जूयना, जूधना, स्वा, अकना, विघ्नस्थेः० हादि
॥ जमायाः ४ स्वना दो जमस्वा वक्रय ॥ जमाः ४ जमशोः ४ जमः ४ अतिजमसी ०० तिक्रयि ॥ तमात आ वग लत
०० कानं हनं य ॥ जमसाद ११॥ जमस ४ जमा १॥ हजम ॥ हजम ॥ हजमसी ॥ हजमस ४॥ हजमा १॥ जः
नां ॥ जमसं १॥ जमसी ॥ जमस ४॥ जमा १॥ जमया ॥ जमसा ॥ जमायां ॥ जनाति ४॥ जनाये ॥ जमस ॥ जमायां ॥ ज
जमास्य ४॥ जमया ४॥ जमस ४॥ जमायां ॥ जमास्य ४॥ जमया ४॥ जमस ४॥ जमया ४॥ जमसा ४॥ जमायां ॥ जम
सां ॥ जमायां ॥ जमसि ॥ जमया ४॥ जमसा ४॥ जमास ॥ ०० कानाक ४ फीलि ॥ वृद्धि १४॥ गत्युधमादिनी

५५३

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

॥ उका नाका अतिनेगद्वहादस्वाद (गम) धनवा लामिका नाका बोवक बो ॥ वायम निका कमति विहली ॥
 ॥ अतिनि अतिविणी अतिनी लि अतिनिना ॥ उका नाक उय (गम) द्वाहादस्वाद (गम) धनवा लामिका ॥
 उयगु उयगुनी उयगुति ॥ २ ॥ उयउता उयगवा ॥ ॐ स्वादि ॥ उका नाका अतिनेगद्वहा नावमनिका ॥
 नयकुलं तदतिनूजलं अतिनू अतिनूनी अतिनेगिति ॥ २ ॥ अतिनूना अतिनूवा ॐ स्वादि ॥ गर्वनामि ॥
 नश्चन ॐ तिनु स्य कर्पवशा वसवयव ॥ ॐ तिणी अतिनूतिस्व नूपायार्थवर्क स्वनाकानपूय ॥
 कलि ॥ १ ॥ ॐ अथ हसाका १ पूषि ॥ १ उदथक ॥ ततुहकानाका अतिनूद्वहाद ॥ पश्चन नूद्वहा

३४

पद २

प ५ २

मागनाक कय ॥ मिद क्वा ल्वा नावक कय ॥ मावन नूद्वहा अतिनूद्वहाद्वस्य सोयव नूसागमा गद्वमि ॥
 दस्य १ सलोप १ ॥ सीयागक स्यालाय ॥ सीयागक स्यालायारुवमि ॥ वसयदाक व ॥ अतिनूना ॥ तद्विभान
 सामथ्या नूवसा नूमिद्वहा ताव ॥ यदाकत पिदका नूसीयागक स्यालायान कय पयवव नीत्वा ॥ अतिनू
 दो अतिनूद्वहा ॥ अतिनू ॥ अतिनूद्वहाद्वस्य सोयव नूसागमा गद्वमि ॥ उर्व ॥ द अतिनूद्वहा ॥ द अतिनूद्वहा ॥ द ॥
 अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥
 लीतवतिन स पदानक व ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥ अतिनूद्वहा ॥

पय

वदुर्ध्वः॥ वदुर्ध्वः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ पत्रस्यामानुषागमावनि॥ वदुर्ध्वः॥ वदुर्ध्वः॥ य
क्षस्त्रिनिविद्यया॥ लीयस्त्रिनिविद्यया॥ सप्तमस्य पियवत्वावायस्यवीयस्यावायियवत्वा॥ पियवत्वावी॥
पियवत्वावी॥ दास्यमिनिस्त्रिनिविद्यया॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥
नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥
लायन॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥
माकस्येवायलकलपुष्पनयनमीत्यादौ नलायन॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥ नरसंख्यायाः॥

२॥ लापणिपुनर्कतश्चिन्नित्तिग्न्यादहीत्याख्यंतएवति ॥ २॥

ना जन् ॥ ना जान ॥ ना जानो ॥ ज्ञानाय ॥ स्वप्नश्च यका कृता दो ॥ स्मा ॥ ४ ॥ रिश्च नि निन का न
 स्य ॥ १ ॥ का न ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible][illegible]

हृ ३

四

[illegible]

ॐ शुभं
पुनः पुनः

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य

[illegible]

का

क्रियादि॥ अर्पणस्थितिर्दि॥ यथासाधकस्थितिर्विद्विर्दि॥ गनयितुं सतीति यितुं सतीति विद्विर्दि॥
 पुत्रशपितुं यत्पुत्रं मे॥ ॐ ह्यादोनदीर्घा॥ अकारानुबन्धस्य सवर्गस्य दृश्यत्वात् सवर्गानि॥ एवदी॥
 धानिरुवनि॥ रुवात्॥ रुवन्को॥ रुवक॥ रुव॥ तन्॥ एव॥ यत्न॥ यत्नको॥ यत्नक॥ यत्न॥ एव॥ यत्न॥
 यत्नको॥ यत्नक॥ यत्न॥ ॐ ह्यादि॥ अकारानुबन्धस्य सवर्गस्य दृश्यत्वात् सवर्गानि॥ एवदी॥
 नगादस्य॥ सतीति॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ विद्वि॥ ॐ ह्यादि॥ अकारानुबन्धस्य सवर्गस्य दृश्यत्वात् सवर्गानि॥ एवदी॥
 नाक॥ अकारानुबन्धस्य सवर्गस्य दृश्यत्वात् सवर्गानि॥ एवदी॥

[illegible][illegible]

वह तीति प्रदये ती वारी

[illegible][illegible]

ॐ

[illegible][illegible]

[illegible]

५३

[illegible]

٥٨

कृतं

महर्षि

युवशा

श्रीवर्धनः

युवा हर्ष

दास्यतदानं स्नानं नो मधुसूदन ॥ दत्वा वा मत्र ता विष्णुर्नृपका नो कनाई नरास्वामी वावलवान्वाः
 जास्वामीनाः शो कनाई तथानमो वा विष्णु रथा स्नानं नो दीयतां धनं मान दानं च ॥ १ ॥ पञ्चमि १५ पञ्च
 मानं १५ ॥ १ ॥ चिनः ॥ चामामा ॥ अमासदि गथायुष्मदस्मदा ॥ चामा ॥ चामा वाद ॥ लोहवग ॥ १ ॥ पञ्चमि
 चामा ॥ दातीर ॥ पञ्चमा मद्रुदकं ॥ १ ॥ नर्वयुग ॥ चामा ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥
 पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥
 पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥

पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥ पञ्चम ॥ १ ॥
 दादोवरुमानयार्थमदस्मदो नैतज्जादसरावन्ति ॥ गवयराजना राजन्यमगम्यनिहायवशागवमिश्रानि
 यानि स्युर्मममिश्रानि नान्यपि ॥ १ ॥ अत्रात्रि ॥ चनौ च वादवा ॥ युष्माकं कुरुदवरा ॥ सनवगववा न्ना ॥ १ ॥
 कर्मायनाशक ॥ दादावी विगिकि ॥ १ ॥ दादुवातवर्षिदस्य नखला मलकोट ॥ १ ॥ अत्रात्रि ॥ चनौ च वादवा ॥ युष्माकं कुरुदवरा ॥ सनवगववा न्ना ॥ १ ॥
 कर्मायनाशक ॥ दादावी विगिकि ॥ १ ॥ दादुवातवर्षिदस्य नखला मलकोट ॥ १ ॥ अत्रात्रि ॥ चनौ च वादवा ॥ युष्माकं कुरुदवरा ॥ सनवगववा न्ना ॥ १ ॥
 मशादवास्मान्यादि नृदव विष्णु रथा स्नानं नो दीयतां धनं मान दानं च ॥ १ ॥ पञ्चमि १५ पञ्च

हि कविम् २ उक्तानां दत्तस्य विद्वत्ता १

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

प्राची २

मिगनेका ॥ मनायी ॥ मना ॥ मिमनायी ॥ चक्रानामनायूका ॥ मनावीननू ॥ वृषाकपायी
 ॥ दय ॥ दयानियात्यक ॥ पत्नी ॥ अकवन्ती ॥ सखी ॥ अईऊवन्ती ॥ अवीनी ॥ असीनी ॥ पायाद
 ॥ दयानियात्यक ॥ पीवी ॥ प्रनीवी ॥ उडीवी ॥ अवावी ॥ दय ॥ दयानियात्यक ॥ ॐ प्रवनिपात्यक ॥ दानि
 ॥ दहीमी ॥ गनी ॥ पिनामदी ॥ मानामदी ॥ स्मली ॥ कृष्णी ॥ एमली ॥ कनली ॥ एमकली ॥ कामूकी ॥ ॐ द्यादिगादा
 ॥ वल्लानित्यं दइववनाक ॥ पुल्लिङ्ग ॥ दावा ॥ दावान् ॥ दावे ॥ दावेय ॥ दावेय ॥ दामात्म ॥ दामेय ॥ दा
 ॥ गुणान् ॥ उकावान् ॥ दुलवाचिनावादि ॥ यामी ॥ पुन्यथारवनि ॥ पद ॥ पदी ॥ मृद ॥ मृदी ॥ तनू ॥ तनी ॥ अ

रिन्नः स वल्लभा मल्लभा वा वल्लभा लला क वा यने थ क वा वल्लभा विदीष्टु यि वान वे र्युच्चरं यून थ दान वा रुः
सम्यदान का वक वरुथी विरुकि र्त्त नि ॥ वद विद मंद दानि ॥ रुणय क न्या द दानि ॥ बाह्य दं दु द दानि ॥
निग वज कस्य वरुं द दानि ॥ या दो सम्यदान का वक लला वान वरुथी ॥ न न दान स किं ल क र्त्त ॥ द न द
वा रु ॥ स्व सत्व नि वल नं प व सत्वा त्या द नं दानं ॥ वज कस्य वरुं द दानि ॥ ल य य व सत्वा त्या द नाना व नः
सम्यदान का वक लला वान वरुथी ॥ न न बाह्य दं दु द दानि ॥ ल य य व सत्वा त्या द नं रु व र्त्त क र्त्त न वरुथी
न गारु मा द दानि दं दुं यून वा मदी य न न वा निरुकि र्त्त व दान का म्यया ॥ यदी य नं वा स न या सृ पा र्त्त न दानं

[illegible]

[illegible]

45

五

सा.क.३

[illegible]

वितादाति२

1851

[illegible][illegible]

कानो ॥ दृक्कर्मो धारय पद सुक्तो ॥ वरुडी दि नन्यय दय धान ॥ गण कया रि सत्त न्नान्
 उरुयय दय धाना विधिर्वलवान् ॥ एक यय मे कस्यर्थ मक विरुकि कत्व श्र समा सय या अनं ॥ अवि
 श्रीः ॥ निस्त्रिग ॥ श्री ॥ द्या द्विगी यो क वत नञ् ॥ अय मधियरु वती ति विगुद ॥ विगुद गदन कि मूय
 त ॥ अन्वय यो मध स मय क ॥ यद स मूदा यो विगुदा वा क मिति या दन ॥ द्रग समा स ॥ यय मय पूर्व निया
 ता त क व ॥ अय ययी ता व ॥ अय यय पूर्व पद न गिया ॥ न्यय ॥ मा ॥ ययी ता व र्त्त क ॥ न गिया ॥ नि
 समा सं हा यां ॥ समा स पत्य यया ॥ समा स व र्त्त मा ना या विरु क ॥ पत्य मय य व लू र व नि ॥ ॥ ल्य मा लू क

५८

॥ उकार्थ नाम यथा ग ॥ या यस्य लिङ्गस्य रूतयूवाय कृतिः सा गस्या या दीयत ॥ नाम सं हा यां स्या दि वि
 रुकि ॥ अवि श्रीः ॥ निस्त्रिग ॥ सनयं प्रकी ॥ मा ॥ ययी ता वानयं सकलि ॥ न ग व नि ॥ नयं सकत्वा दुः
 स्वर्त्त ॥ अययी ता वान ॥ अययी ता वान्य व स्या विरु क ले ग व नि ॥ अवि श्रीः ॥ गृह कार्य ॥ वाय म ति कानैः
 अति वि कृ ल ॥ ना व म ति कान क म ति नू ज ल ॥ इ स्या द ॥ स म ध क ना ल मि काना को नो व क थो ॥ यथा सा
 दृ ॥ यथा स ॥ दृ ॥ सा दृ ॥ व र्त्त मान ॥ स म स्य त ॥ ॥ कि म न गि क म्य ॥ गिय थ ॥ कि ॥ पूर्व व त्स मा स का
 र्थ क र ॥ अना मन त ॥ अका वा का द ययी ता वान्य व स्या विरु क ॥ व र्त्त व नि ॥ अना व र्त्त यित्वा ॥ प र्त्त सी व

[illegible]

काला पलावा वरुत ॐ निनिर्मकि कं वरुत ॥ समासपद यथा विनिषयी वा य ॥ म्यादि विरुकि ॥
 अनामपूर्व वरु ॥ अनावाच्यी राव ॥ ॐ नि अर्थी राव ॥ अनादोग न्य नू ॥ विनीया य न्क यूर्व य द
 सतिगत्य नू य सं क ॥ समासात्वा गे ॥ अमं या फा या म या क ॥ दा ण छि न्नं दा ण छि न्नं ॥ यू या य दा वू य
 य दा वू ग वृ क स्था रा य वृ क रा य ॥ वा रु ॥ वू वू य ॥ वा ज वू य ॥ अ नू क मू ॥ ॐ ॥ अ नू क मू ॥ अ नू क मू ॥
 क वू र्क ॥ क वि द मा द न स्य प व र्क ॥ अ नू ॥ अ नू दि र्ग ॥ अ नू दि ना नि ॥ अ नू र्क ॥ अ नू र्क ॥ अ नू र्क ॥
 सा या क ॥ अ नू र्क ॥ लि की ॥ द क र्मा वा ज ॥ वा ज द क ॥ समास सौ गे क वि दे क य र्क ॥ अ नू र्क ॥ अ नू र्क ॥

णिहल्लोनिवृत्तिगशावद्वीदिनत्वात्थे॥अन्ययदा^सर्थयधनाय॥समासवद्वीदि^ससंरूपासः
 ति॥वद्वधनयस्यसवद्वधन॥अल्लिधनयस्य॥ह्लिधन॥यस्ययधनास्येकद^सलावि^सलेषलतया
 यणुह्वायनसतुह्वा^ससंविह्वानावद्वीदि॥लवो^सक^सल्लु^सयस्यसल्लवक^सल्लु॥विजगमावायस्य
 सविजगुधावद्वीदीवि^सलेषे^ससकर्मनया॥पूर्वनिपातावक^सवा॥कीर्ति^सयवनयस्याशौच
 वनकीर्ति॥लावन^सलाभयस्याशौचललावन^स॥वक^सयान्यादीन॥खन^सयालिधन॥पालिभूल
 भूलपालि^सक^सथवव^सवक^सयान्याद^सस^सया^सरू^सया^सआदितश्च^सयवतथा॥वर्ज^सया^सलेयस्यसवक^स

१२

५३

[illegible]

[illegible]

नयनयदादंशश्चक्रकथं॥सूयद॥सूयद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥द्विपद॥
आमिखादि॥चक्राभादनागायिनयूशकद्विपद॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥
द्विपद॥अयमर्थेयद॥००॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥द्विपदी॥
उक्तं॥यमंयुक्तयारवलि॥उक्तानरुत्यनूपा॥यं॥अक्राभाद॥अवय॥उक्तानरुत्यनूपा॥अक्राभाद॥अवय॥
क्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥
क्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥अक्राभाद॥अवय॥

त्तिगयदर्थकागत्यनूयकदादयः॥ कृत्स्निगमनं कदनीं॥ ॐ यइ कं कइरु॥ कांरुं किवाकं २१
 ॥ का० क० ॥ क० द० स्यकगकवका आद० (गारुवति॥ कइरुं॥ कांरुं॥ कावाकं॥ मयं० कं॥ यत
 ॥ कृत्स्निग॥ कयद० थ॥ क० द० स्यकगत्यनूयद० (थका आद० (गारुवति॥ कालवर्ग॥ यनूयवा॥ काय
 नूय॥ कयनूय॥ ययद० न० तिहिता॥ ॐ ययउल्वं द० थ० उ० ॥ द० द० ग० म० य० व० क० उ० रु० न० य० द० द०
 लंरुवति॥ भाद० ग० संख्या॥ ४० यका० न० ॥ पूर्वत० ॥ वा० ॥ य० द० न० य० ॥ वि० द० ॥ द० न० म० द० लः
 य० य० ॥ अ० का० न० न० व० न० ॥ ४० स० य० म० न० म० य० ला० य० ॥ य० उ० न० ॥ व० रु० स्य० नि० ॥ म० रु० म० न० ॥ म० रु० ग० द०

२५

स्यष्टनाकावाद० (गारुवति॥ म० रु० श्व० ४॥ दि० वा० या० वा॥ स० मा० स० क० न० स० क्रि० शो० ग० द० स्य० या० वा० द० ग० ॥ या० वा० रु० मी॥ आ
 रु० ति० ग० (ग० यी॥ दं० प० नी॥ का० या० प० नी॥ अ० लू० क० क० वि० न॥ क० वि० स० मा० स० क० द० न० न० द्वि० गं॥ इ० पि० रु० क० न० लू० य० व० ति॥ क० द० का० नू
 क० ४० अ० य० य० थ० नि० न० स्य० य० य० थ० नि० ॥ उ० न० सि० ना० म॥ ॥ रु० दि० म्य० स० नी० ति॥ ॥ द० दि० स्य० क० ॥ दि० ग० म० ति० क० ल्वं॥ क० रु० क० न० ४॥ वा
 वा० य० कि० ४॥ दि० ग० द० ४॥ य० म्य० ग० द० न० ४॥ स० मा० स० स० मा० थि० क० न० (ग० क० य० थि० वा० दी० तां० म० श्रु० य० द० ला० या० व० क० द० ४॥ ॥
 ग० क० थि० य० ४० या० थि० व० ४॥ ग० क० य० थि० व० ४॥ द० व० पू० ऊ० का० वा० क० ल० ४॥ द० व० वा० क० ल० ४॥ ए० का० र्थि० नि० क० स० नि० न० क० वि० रुः
 क० क० प० द० वा० च० ल्वं० स० मा० ला० थि० क० न० ल्वं० आ० द० श्रु० द० न० ॥ द० द० स० मा० स० क० वि० दा० दि० प० द० स्य० ला० या० रु० व० ति॥ च० का० ना० दि
 क० ल्य० ल्वं० ति० क० वि० न॥ मा० ना० च० पि० ना० च० पि० न० ग्य० श्रु० य० रु० मु० न० य० श्रु० नो॥ रु० दि० ना० च० पू० रु० य० पू० ॥ अ० नां० द० न० ॥ द०

श्रीगणेशाय
 नमः

१. लीयः ००० स्वर्गं पश्य या सर्वं त्यजत्यर्थः ॥ गङ्गायाः पर्यन्ताः ४॥ वत्सलस्याः पर्यन्तवाह्या ४॥ नकुल्या
पर्यन्तजाय ४॥ चत्रस्याः पर्यन्तानाया ४॥ मृजुस्याः पर्यन्तो जाय ४॥ अमूष्याः पर्यन्तानामूष्या
य ४॥ अश्विनपर्वणो ज्ञेयः ४॥ कपर्दपर्वणो काथय ४॥ गर्गमायाः पर्यन्तगंगाय ४॥ पिरुक्षस्तनपर्वण
पेरुक्षसीय ४॥ मातृक्षस्तनपर्वणो मातृक्षसीय ४॥ ल

[illegible]

अग्निमावृत्तं कर्म ॥ शोदादं ॥ शोलाग्धं ॥ अग्निरावृत्तं वक्रं ॥ साक्षात् सप्तदश ॥ लिखावा ॥ उक्ता ॥ य
 त्वाविषयाकत्रयिलिखावावर्तने ॥ अजा ॥ गो र्यस्य सा अजगु ॥ शिव ॥ तस्य धनू वा जगत् ॥ अजगत् ॥
 ॥ कुमुदस्य गन्धर्वगन्धर्वस्य नि कुमुदगन्धि ॥ तस्या यत्नं स्त्री यनिको मुदगन्धर्व ॥ अमस्य र्यस्यो पु
 थापिर्म ॥ विष्णुविदेवैक्यं ॥ साक्षात् विदे ॥ साक्ष्यं ॥ गात्रिदे गुर्यं ॥ कविस्त्रयवयकाव ॥ कलसर्वक
 र्यं ॥ अजगत्पत्न्यातलिन् ॥ त्वन्मदाद ॥ साक्ष्यं यत्नं दत्तदा ॥ नियपत्न्यातलिन् ॥ तव ॥ दीवदीय
 ॥ मम ॥ दीवदीयं ॥ कविगुपदाकनाशलीया ॥ लूकत्वात् ॥ तथानस्य ॥ दीवदीयं ॥ तव ॥ दीवदीयं ॥

^{दुःख} ^{यय} ^{यका} ^{नक्षि}
 दीर्य॥ अणुलीयप्रत्ययातलिनु॥ वनधलाये॥ वडनधयै॥ लाधारवनि॥ प्रत्ययलीयप्रत्यययन॥ न
 लिनु॥ दुयै॥ दुवीय॥ लीयप्रत्यययन॥ अन्यथादक्॥ अन्यथादस्यदगममावनि॥ प्रत्ययली
 यप्रत्यययन॥ अन्यदीर्य॥ अणुववनीयै॥ स्वयवया॥ कक॥ नलिनु॥ स्वकीर्य॥ पत्रकीर्य॥ कालकाः
 क्रियायूक्त॥ कावकादयानप्रत्ययातवनि॥ क्रियायूक्त॥ कवि॥ कर्म॥ लिवादि॥ धय॥ कडुमनवकीर्य
 कोडुमै॥ मधुवाया॥ अगनामाधुव॥ अमरवायाम्य॥ धूर्ववदतीनि॥ धीवय॥ धूर्य॥ कनयका॥
 क॥ न॥ य॥ क॥ ल॥ प्रत्ययावनि॥ रुवाय॥ थष॥ लिवा॥ धीमा॥ व॥ कलि॥ क॥ क॥ रु॥ रु॥ क॥ रु॥ क॥

[illegible][illegible]

ओम् मां की नः॥ आमा की नः॥ अय य सर्वनाम्नाम आ कृ०॥ अय यानां सर्वनाम्ना अष्ट० या कृ० अयः
 आरु वल्लभार्थ॥ उच्च के० नीच के० अशुको० वदुल्य॥ दुल्य सादृ० ध्व० ध्वन्यु० आरु वनि० वदुल्य॥
 सहर्षं वदुल्य॥ घटवदुल्य॥ यटवत्कमलं॥ सावगल्यय०॥ इदम्यपद्युक्तिनिमित्तं सावकस्मिः
 नूसावगल्यय०॥ एतं पुन्ययावनि॥ वाक्कलस्य साववाक्कलता॥ नाकस्य निर्युक्तीलिङ्गत्वात्॥ सा
 वनपुष्पकल्य॥ वाक्कल्य॥ वाक्कल्य॥ समनस्यार्थं पुन्ययाव०॥ सोमनस्यं सोमन्यं वैदुष्यं॥ समादाव
 नाचकुल॥ समादावनाचपुन्ययावनिगुल्य॥ पुन्ययाव० समादाव०॥ अ०॥ वकावाहामगा॥ अ

८०

नगा॥ वधूगा॥ सहयगा॥ वात्सक० धनकदाकृ० कौक्य० क००॥ त्यादो अ० क० पुन्यय०॥ ओवममित्यादा
 वल॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥ गार्ह्य०॥
 यलवक०॥ वाक्कलस्य कर्मवाक्कल्य०॥ नाक००॥ कर्मवाक्कल्य०॥ नाक००॥ कर्मवाक्कल्य०॥ नाक००॥
 समीथ०॥ नावनिटिलाय०॥ वाक्कल्य०॥ अयिपमिगिसाधुमिथ०॥ साधुमिथ०॥ साधुमिथ०॥ साधुमिथ०॥
 कर्म०॥ सगायां साधु०॥ सगायां साधु०॥ सगायां साधु०॥ सगायां साधु०॥ सगायां साधु०॥ सगायां साधु०॥
 पुन्यय०॥ नावनिटिलाय०॥ नावनिटिलाय०॥ नावनिटिलाय०॥ नावनिटिलाय०॥ नावनिटिलाय०॥ नावनिटिलाय०॥

हा

मयरावालादिनिमा॥ कालस्यरावस्कालिमा॥ अर्धार्कवशुलिमा॥ यक्रालादिनता॥ अर्धगा॥ लादिन
त्वं॥ अर्धत्वं॥ लादित्वं॥ लघिमा॥ लघूना॥ लाद्यर्वं॥ लघूर्त्वं॥ सत्र००॥ मनि॥ अवर्तुस्थगारुवनि००॥ मनिः
यत्र॥ सवठिन॥ समीदल्लधा॥ सकावस्थानिल्लातया॥ गनमजिमाम॥ पृथार्कवपुधिमा॥ मृदाकर्कवा
मुदिमा॥ छहस्यराव॥ कणिमा॥ रुहास्यराव॥ वशुलिमा॥ ००॥ त्यादि॥ वडा॥ शक्तिनिविगद॥ वडाक्षायिरु
ध्रवडा॥ वडानूरु००॥ घामिमनादीनामित्तस्यलायारुवनि॥ वडा॥ कुरु॥ आद॥ ॥ ॥ आदि॥ द्वादिव्यसाग्रद
वी॥ ००॥ मन्००॥ निस्तित॥ ००॥ कावल्लायं॥ रुमा॥ गनवाजनगद्धवन्॥ अर्धार्थमरु॥ नाम्ना॥ अर्धार्थमरु

का २

[illegible]

प्रमका गीयभादका ना ना ।

कड प्रत्यय

दीयसी॥यायीयान्॥यायीयसी॥लघिष्ठ॥यायिष्ठ॥युर्वीद्विष्टमनीयसुगवादिष्टिलायश्च॥युर्वी
 दग्न्मादिवा^दसातवनि॥००॥मनीयसुगवादिष्टिलायश्च॥अग्निनगुनूर्वनीयान्॥ननिष्ठ॥युवाकृविष्टागनिः
 मा॥पियनदस्यपुंसाद॥॥क्रावित्ययामनूसानादिलायावाच॥यमापुष्टययान्॥सुसुवश्च॥
 सुगदस्यलुवाद^दसातवनिलायश्च॥सुविष्ट॥सुविद्यान॥००॥लायाकृगदादीयसं॥कृगदात्यान
 स्य००॥यस००॥कायस्यलायाकृगनि॥कृयान्॥कृ००॥दीर्घस्यडाद्याद॥॥अग्निनयनदीदीडादीयान्॥
 डाघिष्ठ॥अग्निनयनयस्य॥॥यान्॥॥००॥वहविष्टयिष्ठावह॥००॥कृपयथयव००॥कावयिष्टव

८४

नि॥वहस्यनहवाद॥॥रुयिष्ठ॥किमावयादाख्याताचुकिमावयादाख्यातारु॥
 गत्रतमयात्रामागभावकवा॥किंतनी॥किंतनी॥कृतसुर्वायवमानव॥कृतसुर्मांत
 वामानरकल्वी॥उ०॥सुर्वांगमयति॥यचतिंतनी॥यचतिंतनी॥यचतिंतनी॥य०॥तिंतनी
 ॥॥यनिमा॥००॥दद्यादय॥॥गानुद००॥जली॥मानस्यगु॥यूयमार्ग॥निग्रादयसं॥दया
 वरुना॥००॥कस्यनिद्यान॥०॥किमादिस्था००॥तत्रउ०॥तमोवकाव्यो॥कनरावताकाव्य॥
 कनमोवताताकि०॥क०॥रवताय०॥तत्रस्ताकि०॥क०॥रवताय०॥तत्रस्ताकि०॥क०॥रवताय०॥तत्रस्ताकि०॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

七七

सक ल.

हलं रुवति रुव रुवतादा रुवमं रुवत रुवानि रुवाव रुवाम ॥ अयूष्मा रुवडुवौ रुन अयू
यनाथाय ना रुव शोम्य ॥ अरुय गत गीत ॥ द्विपुर्ता अरु सिपुर्ता ॥ अरु सिपुव म ॥ गत अरुता अरु
॥ अरु अरुतां ॥ ०० वदिमहि ॥ अरुता ताया नरुतां न दद्यादवर्क या वदमनिन्या ॥ यथमयां द्रयुं
इयतन ॥ गमिन्नगीत काले दिवा दया रुवंगि ॥ ०० संहल ॥ द्विपुर्ता ॥ अरुता ताया नरुतां न दद्यादवर्क या वदमनिन्या ॥ यथमयां द्रयुं
वत्ता ॥ गतनाजका ॥ ०० नतन्य कुरुवी वि ॥ नमता ॥ वाव सात ॥ ०० तिदका नतका ॥ दिवा दावः
॥ दिवा दोप नक्षता न गमा रुवति ॥ अरुवत ॥ अरुवतां ॥ अरुवत ॥ अरुवत ॥ अरुवत ॥ अरुवत ॥ अरुवत

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

३२

[illegible]

[illegible]

इदानीं याहिनीयानां संज्ञालङ्॥ इडाउ। इरुताद्या। इरुगां। इरुकु। इरादाइरुनस्यद्वित्रिकवा॥ इरु
वि। इरुताद्या। इरुगां। इरुगभा। इरुवानि। इरुवाव। इरुवाम। अरुदापुअरुगां। अनडस॥ द्वित्रिकाइरुः
नस्यानडसरुवति॥ गुलावादरलो॥ अरुरुवुभा। अरुदानित्यादि॥ ॥ डादाद्गगी। दकानआत्मनेयः
कार्षणाडाकात्राडादिल्लार्याध॥ हनं० गिरुम॥ द्वित्रितादि॥ ऊख॥ पूर्वसंवन्धिनादीर्घस्यदस्वारवनि
॥ रु० संलुकि॥ उरु० इधावलयाषलया॥ डादाद्गगी। माद्रुमाननुकषां पूर्वस्थाकानस्थकानादरुगाव
ति॥ लुकिशति॥ ईरु० लायाइनवरुते० श्रीकानध्रद्वित्रिकाइरुनस्यलापावतिदिगिस्रवचन० श्रीकाः

[illegible][illegible]

नीदल्लददाधंअदल्लअददाअददगअदल्ल॥ॐ॥यादि॥ ॥इधअधवतयाअतया॥धूर्व
 वल्लगादिदधमि॥ ॥पूर्वधयदिमिअद॥अरानकयअता॥धूर्वधकानदकावादशातवति॥मः
 सपव॥धरु॥दधमिदधमिधरु॥धरुदधमिधरु॥धरु॥दधमिधरु॥दधमिधरु॥दधमिधरु॥दधमिधरु॥
 लाद्वाधरुधरु॥धरु॥धरु॥अदधमि॥अधरु॥अदध॥ॐ॥यादि॥ ॥दिवकीजविजिगीमा३५२४
 चवहनधूमिधूमिधूमि॥उकान॥धिवनिपु॥गिहिन॥×॥दिवा
 दय॥दिवादगर्जतअपयथातवतिवदुर्धयनम॥अपयवादभावादिह॥ॐ॥तिदीर्घ॥दीर्घनिदि
 दिव
 यउमिहानिदिजिगीमा३

वत॥दीर्घनिदि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥दीर्घमि॥
 वय॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥
 व॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥दीर्घ॥
 दि॥ॐ॥तिदिवादि॥ ॥धूर्व॥अधिरिधन॥अद॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥ध॥
 काननकाननकानन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥स्वादन॥
 गोसूतमान॥पाद॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥नूप॥

अभिषवःपीडनंस्तपनंस्तानंस्तुतसंधातम्

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

॥ कटः कियत ॥ खंडः खी कियत ॥ गोविं नारोः सुखदं कियत ॥ अय किय ॥ अकारय विदोद ॥ अरव ल
 का न प ल य य कियत ॥ क का वा वा व कियत ॥ न न दी द्या नि व र्ति ॥ म द जाल या ॥ मियत ॥ द ग नो
 दा न मा दियत ॥ द ३ द न ल ॥ कियत ॥ ध तं चो व ल ॥ यं यं यं पूर्व श्य दी र्घा र व नि ॥ वि ३ व य न ॥ नृ विः
 का धी यत ॥ दू य न अ न व को ॥ दा द नि ॥ दा द न का र श्य का र द ॥ र व नि छि नि र्ज त व ॥ व द वि द न
 दा दी य तां ध न ॥ नि धी य तां ध न र सो ॥ दू क र क र ल या घ ल या ॥ मा दू मा न ॥ मी य त ॥ के ले न श द ॥ ॥
 र्श अ क नाल मा ॥ र्श अ नो नो क उ नो मा त्व र व ति न पि वि म य ॥ का य त ॥ ग य त ॥ वा य त ॥ र व न क न ल ॥

७७

१८

गनी न न का न त्प वा जो सं ह व ॥ य
 ॥ गाय त ॥ डा हा क र्या ग ॥ दी य द ॥ पा ज न ॥ पी य त ॥ श्रु यै नि नि द लो ॥ कृ य त ॥ ग ता त नू नां ग ता त य
 कि वा न ल य ॥ गाय त ॥ ग त य त ॥ गु ल म र्ति र्ज या ग य ॥ अ ग ता वि ल य ल य ॥ अ का वा क र्म य ॥ य ३ गु
 ल र व नि ॥ क वि छि नि द य द ॥ अ ग ती ॥ अ र्थ य त ॥ क वि का र्थ ॥ स र्थ य त ॥ य क र्म गु ल र्थ या ग क ल
 च नो वि क र्म क र्म क र्म ॥ ग र थ त द वा दा द न र्ण ॥ प च र ड द न ॥ ह य म य ॥ हि दि ना वि दा न ल नू रि
 य त का र्म क र्म म य ॥ ल ३ द न ॥ ल य त क र्म द न ॥ ह य म य ॥ दि क र्म क र्म दा द न र्ण ॥ इ दि या वि नू वि
 य वि वि क र्म र्म य ॥ नो द क र्म ० व दा द ॥ य द मू र्क र्म हा क ॥ हि दि वि वू ॥ य द या दि
 ॥ का ना न र व क र्थ ॥ ३

काउना

॥ ३ ॥

६:

[illegible]

200

72

गंगा ३

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

यय४

[illegible]

[illegible][illegible]

विषयवयुः आदरः सवति ॥ द्विधमिदित्तं ॥ पूर्वस्य संप्रसादनं ॥ द्वितीयस्य ऊं जां यवनाक्षं मित्वा ॥
दि ॥ उवाच ॥ उयउ ॥ उयू ॥ उवयिथ ॥ उयिब ॥ उयिम ॥ ॐ ह्यादि ॥ द्यधनाउत ॥ विद्याध ॥ विविधउ
॥ विविधू ॥ विद्याधिथ ॥ गधार्ह ॥ मरुतावा ॥ विद्याद्ध ॥ विविधिव ॥ ॐ ह्यादि ॥ पकृही सायां ॥ सः
प्रसादनं ॥ नः ॥ पेपेद्ध ॥ पयकृउ ॥ पयकृ ॥ पयच्छिथ ॥ कृषमनाजादम ॥ पूरिद्धः ॥ पयषा ॥ पयद्ध
व ॥ पेपेद्धिम ॥ सयागा ॥ दन्तकित्त्वं ॥ सयागा ॥ इरुनस्य एवाद् ॥ कित्त्वं नरुवति ॥ ६० योन ॥ पुन्यः
या लोद् मध्वभेकववनाक ता निघाल्यत ॥ पूबीमवक्क न्दलूनी हित न्दतं, मूषालनत्तातिहनाम

[illegible]

दि ॥ कृष्ण कनका ॥ यादादो ॥ यादादो वनय कानस्य निहादो ॥ हरवति ॥ क्रियात् ॥ क्रियात् ॥ क्रियात्
निर्यादि ॥ कृष्ण मंगलम् ॥ क्रियात् ॥ कृष्ण मृत् ॥ श्री ॥ कृष्ण मृत् ॥ आत्मनयदपि ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥
स्तो ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ नामिनाः ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥
कृष्ण मृत् ॥ विष्णु मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥
कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥ कृष्ण मृत् ॥

[illegible]

यश्च यश्च वदः यश्च मदः ॥ हन गमः स्य प्रः ॥ हन धर्मा कृ का वा ना ग म प्र स्य प्रः ॥ ग
 मा रु व नि ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य तः ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥
 मि ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥ ह नि व्य ति ॥
 य ॥ अ का व उ द्वा व लार्थः ॥ व स ति वा श ॥ व त्स्य ति ॥ व त्स्य तः ॥ ह दे रु सी क व (ल) ॥ दा द र्घः ॥
 आ दि उ वा ता मि त्या दी नां ध का व ॥ ख स व पा ॥ क त्वं म त्वं च ॥ ध कृ ति ॥ इ द य पू व (ल) ॥ ध कृ
 ति ॥ उ प ध या ल धा ॥ धा ता वृ प ध या ता मि ना ल धा र्थे (ल) रु व नि ॥ हू हू हू नो ॥ का व्य ति ॥ का व्य

११०

२५

नीह स्व प्र । ति । ये व्य तः ॥ ह न ग म स्य प्र ॥ ४

ग ॥ हि दि त्र वि द्या व (ल) ॥ ख स व पा ज सा तां ॥ ह त्स्य ति ॥ हि दि त्र द्वि क क व (ल) ॥ ह त्स्य ति ॥ वं धि
 व्यं तं ॥ लो यि व्यं तं ॥ दां स्य ति ॥ दां स्य तं ॥ रु द व्य ध तः ॥ ता त्स्य ति ॥ मि धू सि द्धो ॥ मि धू ग गो ॥ मि धू ण
 ॥ कृ मा कृ ल्य व ॥ रु या ल स ग स मा नं नृ पं ॥ आ द ॥ हू ॥ स्त ॥ अ ता ना दो व र्क मा न या ॥ म का
 व ल का व या ॥ स का व न का नो रु व त ॥ स त्स्य ति ॥ व धि व्य तं ॥ दा स्य ति ॥ दा स्य तः ॥ डा हाः
 रु ग गो ॥ दा स्य तः ॥ ह डो कृ त्या (ग) ॥ दा स्य ति ॥ गु म (ल) मू (ल) ॥ ष र्क ॥ स ॥ कि ला त्स्य ॥ स ॥
 (ल) कृ ति ॥ षू रू पा र्थे ग रू वि भा व न ॥ सा व्य तं ॥ रु ज पा ह ता रु व ह न या ॥ अ का व स्व ति न उः

۷۷۷

26

॥ ॥ रु स ला यां ॥ दि वा दा व न् ॥ रू जे स न् ० ति स्ति न् ॥ दा द १ थ ॥ य य न स्मे य द य न दा धा ३
रू ० ० ॥ रु पि व मि स्त १ य न स्य स ला या र व नि त गु ल १ ॥ अ रू दृ ष्टि १ ॥ अ रू र्गां ॥ सि ला य स्र व न्
व क्त्वा १ ॥ अ रू व न् ॥ अ रू १ ॥ अ रू र्गां ॥ अ रू त ॥ अ रू वं ॥ अ रू व ॥ अ रू म ॥ दा दा न ॥ अ दा र्गां ॥ श्या धि
द १ ॥ श वा का वा ना धि द ॥ अ ल न श्या न उ स र व नि ॥ उ श्या ला य १ ॥ अ द १ ॥ अ दा १ ॥ अ दा र्गां ॥ अ दा
न ॥ अ दां ॥ अ दा व ॥ अ दा म ॥ अ द्ध न् ॥ अ द्ध न् ॥ ० ० ॥ ग ग तो ॥ ल का न उ द्वा व ल र्थ १ ॥ ० ० ॥ सि ला य ग वः
क व १ ॥ अ म न् ॥ अ गु १ ॥ ० ० ॥ त्या दि ॥ मा ठ १ ॥ मा ण द्य य अ क्क मा न १ ॥ ला या र व नि ॥ दृ ट व दा यां ॥ सि

[illegible]

सहा ३

[illegible]

धाता त्रीमि नः । अञ्ज ॥ १

नां हन गृह दृष्टां ताव कर्म ॥ ४ ॥ सिसता सी स्य पा मि द्वा व क च ॥ अति सि सी षा द य ॥ ति त्वा दृ द्वि ॥
 सिसता सी स्य पा मि द् ॥ अ गार्त्ता मि न ॥ अ स्व म नू ता वि षी ष र व ता ॥ अ नू ता वि षी या र्त्ता ॥ अ नू ता
 वि षी व न् ॥ अ नू ता वि षी र्त्ता ॥ अ नू ता वि षी या र्त्ता ॥ अ नू ता वि षी र्त्ता ॥ अ नू ता वि षी र्त्ता ॥ अ नू ता वि षी
 य ॥ अ नू ता वि षी व हि ॥ अ नू ता वि षी न हि ॥ ति त्वा ता व ॥ अ नू ता वि षी ष ॥ णी दृ स्व प्र ॥ ति त्वा दृ ॥
 द्वि ॥ अ ति सि षी ष ॥ द व द ह न ॥ का वि षी ष ॥ षी ष ॥ ० ॥ त्या दि ॥ अ नू ता वि ता ॥ अ नू ता वि
 ता ॥ ० ॥ त्या दि ॥ स्य पि ॥ त्या दो रु वि ष्य नि स्य प्र ॥ सिसता ॥ दृ द्वि ॥ अ दा ध यि ॥ अ नू ता वि ष्य त ॥ अ नू ता

[illegible]

६७

लोपभा अन्वराविधां अन्वराविर्दं ॥ अन्वराविधि ॥ अन्वराविषदि ॥ अन्वराविष्मदि ॥ प क व ॥ अ
न्वराविषा मां ॥ अन्वराविषम ॥ ॐ स्वादि ॥ निराह पूर्वभा ॥ निराह ॥ क व ॥ ॐ न न्य ॥ लोप ॥ त न ॥
वृद्धि ॥ द्वितीयादौ ॥ ह न सि ॥ सि स मा ॥ निराका निषा मां ॥ निराका निष म ॥ निराका वि ॥ ह य ह न ॥
अह नि ॥ व व प नि ता य ॥ अ न ड प धा या ॥ अ व का मां ॥ अ व क न ॥ अ वा वि ॥ अ ह नि षा मां ॥ अ ह
नि ष म ॥ ॥ अ ह ष म ॥ ॐ वि ना वा ॥ अ ह षा मां ॥ अ ह ष म ॥ य व पा क ॥ अ पा वि ॥ च कि ॥ क व रं ॥
आ र ग क ॥ अ प का मां ॥ अ उ पा व ल ॥ ख व ह न य ॥ वा ॥ क ॥ ख स व पा ॥ ह ॥ र ॥ ॥ अ शा क्रि ॥ अ उ

११८

३६

का मां ॥ अ उ क न ॥ ॥ उ क ॥ ॥ उ र्ध्व ॥ अ उ क्रि ॥ धृ ॥ क ॥ न ॥ ॥ नि न पूर्वभा ॥ नि न धा वि ॥ नि न धा वि षा
मां ॥ नि न धा म ॥ य द ग मां ॥ य ति पूर्वभा ॥ य त पा दि ॥ य त प न सा मां ॥ ह ल ल द ॥ अ रालि ॥ अ रालि षा
मां ॥ अ रालि ष म ॥ व द व का यां वा वि ॥ अ वा दि ॥ अ वा दि षा मां ॥ अ वा दि ष म ॥ अ वा दि षा ॥ स ट थ
श र्त्तु र्त्तु व क व ॥ अ ह ड पा द न ॥ अ अ हि ॥ अ अ हि षा मां ॥ ॐ स्वा दि ॥ ली ॥ उ पा य ॥ वृद्धि ॥ ॐ अ प्र ॥
नि व ला यि ॥ नि व ला यि षा मां ॥ अ मा यू क ॥ अ का ना क स्य भ मा यू म ग मा र व ति ॥ वि लि ति घ न ॥ का
दा न ॥ अ दा यि ॥ क ग नि ति व नो ॥ अ स्ता यि ॥ स्ता गो य ॥ अ स्ता यि ॥ नि पूर्वभा ॥ अ धा ॥ धा न ल पा ष ल याः

[illegible]

नीयं पनीयतां अनीयं वनीययत ॥ नालाय ॥ संधं संधं ॥ पतन ॥ सती सुस्यत ॥ सतः
सुस्यत ॥ सती सुस्यत ॥ सती सुस्यतां अनीयतीत्यत ॥ दनीधस्यत ॥ दनीधस्यत ॥ दनीधस्य
तां अनीधस्यत ॥ र्वेयुगमो ॥ वनीवच्यत ॥ वनीवच्यत ॥ वनीवच्यतां अनीवनीवच्यत ॥
जुं संधं ॥ पतन ॥ वनीयस्यत ॥ वनीयस्यत ॥ वनीयस्यतां अनीयस्यत ॥ कलगतिसागत
या ॥ कलगतिसागत ॥ वनीकस्यत ॥ वनीकस्यते ॥ वनीकस्यतां अनीयकस्यत ॥ पतयगन ॥ पनी
ययत ॥ स्कंदिन्गति ॥ पतया ॥ ननवोध ॥ ननवोध ॥ वनीस्कस्यत ॥ इष्टकन

[illegible]

यतः॥ दादानं॥ दादत्रिणीका न दृग द्विर्चयनं॥ ददीयत॥ ददीयतां॥ अददीयत॥ इध्याग्र
धनेलयासलथा॥ दधीयत॥ नंदीसांतर्वं पौं॥ ध्यागं॥ ध्यादात॥ ध्याधुमी॥ ध्याध्मा००॥
तथावीकानाद॥ एरुवति यदिपनं॥ ऊषीयत॥ ऊषीयत॥ ऊषीयतां॥ ऊषीयत॥ आलदा
मिसंयागथा॥ नंदीसांतर्वं पौं॥ धीयत॥ दधीयत॥ दधीयतां॥ अदधीयत॥ दिष्टप्रलय
नं॥ अद॥ ४८॥ स्त्र॥ स्वपिश्यमिच्छ॥ संप्रसान॥ लक्ष्मीद्वित्वं॥ साधूयत॥ ह्यमुअदन॥ रशि
म्यत॥ व॥ ३१॥ तनुशक्तान॥ ववीयत॥ पापा॥ ल॥ ययीयत॥ ववरुलावृद्धपनस्याह्य॥ वर

रुलाक्षितार्यदिपूर्वस्मनूगगमारुतनि॥पत्रस्यास्यडदादश॥धार्ष्टिहस॥वनगतिरुक
लथा॥वंचूर्यन॥रुलानिसाको॥वर्यावर्गघरातनुं॥निवचनात्तुरुकात्रस्थपकान॥
यंदूलाम॥ॐतिथईतप्रक्रिया॥॥वान्तरलग्नवर्द्धत॥अन्तरत्यक्पत्ययसंयोगविः
नापित्रायहालुगुरुवनि॥अनपिवरुसाह॥हसाइरुवस्थयहालुगुरुवलिनपिविषय
यरुलगनेपत्रभेपदंक्षादि॥लूकिस्तनि॥पितिस्मितै॥वकावावकव्य॥६॥स्वनूपि
नापक्षयागुल॥१॥द्विनृकस्थभागा॥स्वनंपत्रअपिविषयउपक्षयागुलोनरुवनि॥यदंड

वालेजीसि॥वालाहि॥वाउकू४॥वाउकू॥वाउमि॥वाउख४॥वाउमम॥२

लुगंतंयनसोयदंकादिवच्चडपूर्वा ॥ यदुपय ॥ उजयानलायवहनया ॥ यद्विगुल ॥ मयानां
जव ॥ का ॥ ४५ ॥ स्वपवपा ॥ वाउजीति ॥ उपययालाय ॥ वाशकि ॥ वाउक ॥ वाउजुगि ॥ ४६ ॥
वूयपन ॥ वावूदीति ॥ वावालि ॥ वावू ॥ वावूदीति ॥ उपययपाक ॥ आग ॥ यद्विगि ॥ शेपूर्व
स्याकात्रस्याकानाद ॥ ४७ ॥ रवति ॥ पापयवीति ॥ वा ॥ ४८ ॥ पापकि ॥ पापक ॥ पापयति ॥ पापवी
षि ॥ पापकि ॥ पापक ॥ पापयवीति ॥ पापयि ॥ पापय ॥ पापय ॥ पापयानू ॥ पापवी ॥ पापः
कु ॥ पापका ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥ पापयानू ॥

वर्कलि।वरी कलि।वरीकलि।वर्कम॥वनिहम॥वनीहम॥वर्कति।वनिहति।वनीः
 कति।वर्कनीमि।वनिहनीमि।वनीकनीमि।वर्कमि।वनिहमि।वनीकमि।वर्कथ॥व
 निहथ॥वनीहथ॥वर्कथ।वनिहथ।वनीहथ॥वर्कनीमि।वनिहनीमि।वनीकनीमि।
 वर्कमि।वनिहमि।वनीकमि॥वर्कव॥वनिहव॥वनीहव॥वर्कम॥वनिहम॥वः
 नीहम॥वनीकनीमि।वर्कमि।वनीकमि।वर्कव॥वनिहव॥वनीहव॥वर्कम॥वनिः
 हम॥वनीहम॥विधि॥वर्कयात्।वनिहयात्।वनीहयात्॥वर्कयातां।वनिहयातां।

१२५

वनीहयातां।वर्कय॥वनिहय॥वनीहय॥वर्कया॥वनिहया॥वनीहया॥वर्कयातां।व
 निहयातां।वनीहयातां।वर्कयात्।वनिहयात्।वनीहयात्।वर्कयां।वनिहयां।वनीहयां।
 वर्कयाव।वनिहयाव।वनीहयाव।वर्कयाम।वनिहयाम।वनीहयाम॥आशिषि।वर्कः
 नीह।वनिहनीह।वनीकनीह।वर्कहु।वनिहहु।वनीकहु।वर्कगात्।वनिहगात्॥
 वनीहगात्।वर्कगां।वनिहगां॥वनीहगां।वर्कहु।वनिहहु।वनीकहु।वर्कहि।वनिह
 हि।वनीहहि।वर्कगात्।वनिहगात्॥वनीहगात्।वर्कगां।वनिहगां।वनीहगां।वर्कगात्।

[illegible][illegible]

अवनीवृती॥ अववर्त॥ अवनिवर्त॥ अवनीवर्त॥ अववर्त॥ अवनिवर्त॥ अवनीवर्त॥ अववर्त॥
 अवनिवर्त॥ अवनीवर्त॥ अववर्त॥ अवनिवर्त॥ अवनीवर्त॥ अववर्त॥ अवनिवर्त॥ अवनीव
 त्वा॥ अववर्त॥ अवनीवर्त॥ अवनीवर्त॥ ॥ कर्तुं यद् ॥ कर्तुं नृपमानादाचार्यं यद् यत्तया रुव
 ति॥ अर्थयतं ॥ निहितं ॥ यत् ॥ निदीर्घं ॥ अतः ॥ व आ च न नी ति ॥ अनायतं ॥ यं ॥ ति ॥ व आ च न नी ति
 यं ॥ ति नायतं मूर्खं ॥ अप्यस्य न स यतं ॥ निहितं ॥ यद् ॥ शंलां यो व के यो ॥ य ॥ अप्यस्य ॥ वा च न नी ति ॥
 अप्यनायतं कूटपा ॥ अजायतं इव ल ॥ न यायतं पय ॥ पयस्य विराखेया ॥ पयायतं ॥ पयस्य ॥ तज्ज
 ॥ अ ॥ व आ च न नी ति ॥

१२२

ययस्यत् ॥ ययस्यती ॥ अपयस्यत् ॥ उपमानाचार्यं यं ॥ पंथयावक्यभाचद ॥ वा च न नी ति वत्ता य
 निमूर्खं ॥ आचानमूपमानात् ॥ कर्मल ॥ उपमानाद्ययत्तया रुवति आचार्यं अप्यकावस्यव ॥ का
 न ॥ पूणीयति ॥ निष्यमूपाक्षय ॥ पूणीयत ॥ पूणीयंति ॥ पूणीयत् ॥ पूणीयती ॥ पूणीयुः ॥ पूणीयुः ॥ पूणीः
 यतादा ॥ पूणीयती ॥ पूणीयंति ॥ अपूणीयत् ॥ अपूणीयती ॥ अपूणीयत् ॥ रि ॥ ४ ॥ पसाति दीयति कूट्यी ॥ रस
 लायति ॥ ० ॥ कायामात्मनः ॥ स ॥ धना विद्यायामर्थ आत्मनः ॥ स ॥ यत्तया रुवति ॥ सावद्विर्त्वं ॥ क ॥ ख ॥ ० ॥ ग
 क ॥ ख ॥ ० ॥ मघाती ॥ अवत्रपा ॥ ति ॥ वकाव ॥ र ॥ वि ॥ तु ॥ मि ॥ क ॥ गि ॥ व ॥ रू ॥ म ॥ ति ॥ व ॥ रू ॥ म ॥ ॥ व ॥ रू ॥ ख ॥ ० ॥ व ॥ रू ॥ म ॥

[illegible][illegible]

कहावृत्तिनि प्रथमांजववयः

लनेरि ३ वका नह्यज्जका नह्यज्जका नह्यज्जका ३

[illegible]

737

卷之四

जटाविक्रिकलाखण्ड

सः स्वकज्जालिद्विनधि

दृक् चरक न (॥) अरं जं वां तं ॥ अका न श्य ॥ नर वारि किति यय न ॥ अरु वा रिका यं विधि ॥ कि कि
 न स गि प ॥ ० ॥ नि सि तं ॥ कृ दा धु ने ति वृ त्तं ॥ अर्ध र्भ ॥ मि दी घ ॥ वि की र्ष ति ॥ वि की र्ष न ॥ वि कि र्ष ३
 अ वि की र्ष न ॥ ० ॥ आ दि ॥ कृ प र्द न (॥) डि दी र्ष मि ॥ रू द्र व न न व ल य ॥ ति ती र्ष ति ॥ ति ती र्ष न ॥ ति
 ता र्ध ॥ अ ति ती र्ष न ॥ दृ क न (॥) कृ स तं ॥ नि सि तं ॥ दि ध्र ति दि त्वं ॥ अ न ॥ न ॥ ना द ॥ आ च ॥
 दि र्श ॥ मि दी घ ॥ य कृ व रु र्भ ॥ ति य कृ प ल य धा य न ॥ य का न श्या का न श्य व लो य ॥ रा व नि ॥ अ न पि
 वि ष य र्भ व क र्म नि य ॥ नि श का न श्या का न ला य ॥ वि की र्ष त द व द र्भ न ॥ वि की र्ष ता वि की र्ष ता ॥

पिपत्सु। अयिपत्सु॥ ॐ ह्यादि॥ आप्नुवाफो॥ आप्नानवी॥ आप्नानर्द्धा॥ खनश्य० ॐ आद॥ रावनि
श्वनश्चिन्कि लायधूर्वश्चयकावश्यलाय॥ ॐ पति॥ ॐ ध्रु॥ ॐ यतु॥ नेप्सु॥ ॐ ह्यादि॥ अ
इरक॥ ॐ अ॥ वनायावा॥ अ॥ इर्द्धा॥ नि कृद्याम॥ धेवाअनायपत्यभारुवनि॥ अ॥ न॥ यनि॥ अ
न॥ यत्॥ अ॥ न॥ यत्॥ अ॥ न॥ यत्॥ ॐ ह्यादि॥ अ॥ इरक॥ ॐ ॥ खन॥ द॥ घ॥ र॥ श॥ य॥ स॥ ॐ नी काव॥ सि
हनासीश्यमाभिदू॥ ॐ मि॥ ॐ जगमा॥ रावनि॥ अ॥ डि॥ दु॥ मि॥ कु॥ नि॥ अ॥ डि॥ वि॥ ष॥ नि॥ अ॥ डि॥ वि॥ य॥ न॥ अ॥ डि॥ वि॥ ष॥ दुः
अ॥ डि॥ वि॥ ष॥ दू॥ गु॥ प॥ ग॥ म॥ प॥ त॥ कृ॥ त्स॥ न॥ य॥ ॥ गु॥ प्स्य॥ ॥ गु॥ पा॥ दि॥ स्य॥ ॥ श्वा॥ र्थ॥ स॥ प॥ स्य॥ या॥ रावनि॥ न॥ सि॥ न्म॥ नि॥

उक्तं नञ्

वृत्तवनाशादयः ॥३॥

[illegible]

दांसुगदीदांसुतां॥अदीदांसुत॥उरुययदी॥^{नत}दीसांसुत॥दीसांसुत॥दीसांसुत॥अदीसांसुत॥गुपू
 न(क्र)ल॥आपभागुपादित्यआयपुल्यथारुवगित्वा^{कुर्यादक}थ॥मापायत॥मापायत॥मापायतां॥मैज
 पायत॥उर्वतपधूप॥सनापगधूपायति॥धूपायत॥धूपायतु॥अधूपायत॥उरुययदी॥विष्णुगतां॥
 विष्णुयति॥विष्णुयत॥विष्णुयतु॥अविष्णुयत॥पदावावरावकुतोपतय॥पलाययति॥पलाययतु॥अ
 पलायत॥उरुययदी॥पनायतापनायत॥पलायतां॥अपनायत॥नामायत॥ॐ वास्य॥नाम॥ॐ वास्य
 मर्थयपल्यथारुवगित्वा^{नित्या}नित्या॥गवाकावस्य॥ॐ कावाद॥ॐ वास्य॥अज्ञायात्मसर्वविनीत्युक्तं
 ३ पलायत पक

738

आत्मनः पूजमिच्छति॥पूजीयति॥पूजीयति॥पूजीयत॥पूजीयतु॥अपूजीयत॥धनमिच्छति॥धनीयति॥उद
 कथीदनीद॥॥उदकमात्मनः॥ॐ कृते॥उदन्याति॥काममैपीच्छति॥ॐ कृत्यामर्थपूजकाम्याति॥कनः
 (ल)वय॥कयादित्य॥कन(ल)र्थयपल्यथारुवगित्वा॥ककुं कवागीति॥ककुं यति॥उरुययदी॥तपः कवागी
 तिनपश्यति॥मनः कवागीतिमनस्यवि॥उरुययदी॥पदार्थ॥॥जिठिकन(ल)नामाजिपुल्यथारुवगित्वा
 बालार्थ॥सुवठिगुत्तिलादिताग॥॥कावावृद्धार्थभासभाउविगित्वा॥संज्ञायां॥गवादय॥ॐ घटिनिपू
 तिलिने॥गैजेउपधाया॥ॐ गिवृद्धिघाफो॥मितीकृत्वा॥ककुं पा॥ॐ मित॥ॐ लवयठितानां॥कनीकृत्वा

घटञ्जस्तार्या

733

६८ यथा नृपशासनं च

यतः प्रकारलापः ॥ २

[illegible]

कुनो लम न कर

जानाने की भावा प्रसवतवने

हृदयवचन

धनप्रद ॥२

[illegible]

737

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विद्यमान

इति

[illegible]

[illegible][illegible]

नय ह

[illegible]

783

मि २

[illegible]

११

[illegible][illegible]

[illegible]

शा.भा.द.व.प्र.१

[illegible]

क्रि. १३३३ :: कोषात्तात्पर्ये

[illegible]

स्यान्नि (लनिजति) लि (लु) तकि (नि) लु (ति) क्क ॥ आत्मनयदमि (नि) लु (ति) क्क ॥ नि (लु) वकु (नि)
म (ल) तं क्क ॥ आत्मनयदमि ॥ अवनतिक ॥ अवनतिजातं ॥ अवनतिजतं ॥ अवनतिजीनं ॥ अ
वनतिकां ॥ अवनतिजातां ॥ अवनतिकां ॥ अवनतिजातां ॥ अवनतिक ॥ ॐ ह्यादि ॥ विज्व
यथककन (ल) ॥ ववकि ॥ ववक ॥ ववकि ॥ वविजति ॥ वविजान् ॥ ववकु ॥ अवनक ॥ विषुव्याफो
॥ ववदि ॥ ववद ॥ ववविषति ॥ वविकै ॥ स्यान् ॥ ववद ॥ अवनद ॥ यूपामेलयुवलयाम् ॥ का
दिदिध्र ॥ अवावक ॥ मया नि ॥ पूर्वस्य ॥ मया ॥ पूर्वस्य ॥ कानाहवति ॥ व्याहृ पूर्व ॥ व्या

[illegible]

दधालूक॥गुल॥नति॥तथायकि॥ॐयात्॥यहु॥ॐतोत्॥ॐनी॥यहु॥ॐहि॥उत्ता
 नान॥आयन॥ॐयत्तावाक्रुर्षु॥दिश्वानुभारानितियूर्व॥कामस्य॥याददा॥धर्म
 त्नामिन॥निर्वृद्धिभा॥ॐयाय॥लीयहु॥लीयू॥लीयिथ॥ॐयथ॥ॐयथ॥लीयश॥ली
 याय॥ॐयय॥लीयित्रा॥लीयिम॥ॐयू॥ॐयू॥डवाददा॥डवाददा॥ॐयप्र॥काचि
 इकारस्यडवाददा॥डपददाद॥डवाघ॥अनुनामस्यतक्तत्वानार्थत्वाच्चमेवथ॥अरि
 धातुमन्थ॥

[illegible]

यतीतिरावकः॥ लू३कुदत॥ रातागिलावयागिवालावकः॥ पू३पवन॥ पुनातिपावयति
पावकः॥ रेवेगिरावेयेतिरावः॥ लादि॥ केषप्रत्रले॥ नाम्युपभक्तः॥ नाम्युपभाक्ताः॥
कप्रत्यथारवति॥ ककात्रायुलप्रतिषधार्थ॥ क्रियागीतिक्रियभातिदि॥ वविदात्रले॥ हिनक्तिः
गितिदः॥ द्विदिनद्धेधीकत्रले॥ द्विनक्तिगिद्विदः॥ हाश्रुवत्राधन॥ श्रुगतयीत्याकात्रलापः॥
॥ जानातेश्चकः॥ सुदजानातीतिशुरूः॥ पृष्ठमृत्पृष्ठः॥ मगः॥ किनः॥ प्रियः॥ वित्रः॥ यत्रि
नीदियहादनयूलिति॥ यवादन्नन्धादश्चग्रहादयैरेलित्ति॥ त्वत्प्रत्ययाहवक्ति॥ यभार्श

न४०॥

ख्यत गणका नाव चार्थशा अणुपण्यभाययु वपवद यत तद तस्य सुव तत यव यरु तम
 वरु तस्य ददव शव सधकृ यमचत रुवराशय तत रुव सुय ॐ लादि यवा दय भा अणुपवघ
 पाक गायवती ति यव भा विद हान ग वली ति विद १॥ वद य काया वा वि ॥ वद ती ति विद १॥ दि
 वृकी जयां ॥ दी यती ति दव ॥ शव शवायां ॥ शव ती ति शव ॥ दूलादि समुहो ॥ तदि वा सिम
 मादि दूषि साधिविधि (सति वा) चीत्यादथा त न्यादय ॥ मूय लय भा यवा न ताको ॥ ॐ दिना
 नम ॥ ॐ दिना भा ता न मा ग मा रुव ति ॥ तद य ती ति न द त ॥ वमू की जयां ॥ वम त ॐ ति वम त ॥

१॥ न रुवरादी ॥ न मा ग मा रुव ति ॥

१५१२

११

इष्य विखर

वरु य व

॥ वाम कम रीरुष ॥ वाम ती ति वाम त ॥ कम ती ति कम त ॥ अद मर्द अर्द न ॥ जर्त अर्द
 य ती ति जता र्द न ॥ मर्द य ती ति मर्द न ॥ मदीरुष मर्द न ॥ दूषल ॥ साधन ॥ (स) रुत ॥
 गय त ॥ मदन ॥ अल्य त ॥ दय्य ल ॥ वृष द ॥ वार्य ल ॥ वृष ता य ॥ प्र ल य ॥ रुव ति ॥ युवा न
 ताको ॥ धा ता न्नी मि त ॥ प्री ति ना व य ति ना व ल ॥ गृहा द ति ति प्र ल य ॥ या रुव ति ॥ ग्रहा दी
 ना मि ता दी र्घी रुव ल य ना का यां ॥ गृ का ती ति ग्रहा दी ॥ अं ता यू क ॥ तिष्ठ ती ति स्तु यी ॥ यज
 ती ति या जी ॥ वृष द वि पूर्व शा वि ना वी ॥ प्रो यो य ल ॥ या यी ॥ वत्र ग ति रु क ल या ॥ विवः

天

[illegible]

7572

12

नातयसंताप॥ तपसीतितापः॥ यथिगमो॥ यथातीतिपांथः॥ जूयवृद्धतकनंनूमागम
॥ यधगाठन॥ व्याधः॥ दूकः॥ कन॥ कायः॥ धनाः॥ कर्मलिषयूद्धमानजूनप
याहवति॥ धमातामिनः॥ विद्विः॥ कर्मकनामीतिकूककात्रभायीथंकनामीतिग्रंथक
न॥ इजोः॥ दान॥ जूगाठः॥ जूकायान्काज्ञाः॥ कर्मलूययदंमिठयस्यथाहवति॥ ठि
त्वाहिसापः॥ गांददातीति॥ गाः॥ धनंददातीतिधनद॥ नामिन्न॥ नाममागुप्रैकमानधि
उप्रत्ययाहवति॥ कमलंददातीतिकमलदः॥ द्वायांयिवतीतिद्विपं॥ जतीयांइहाय ॥

पृ २

श्री

दास्यांजनीयनयनास्यांजायतद्विजभागृहनिष्ठगीतिगृहसू॥ इगतो॥ धूर्तद्वनीधृ॥
धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥
धातवतिवामुमागम॥ गमगुगती॥ इगशागुमीतिउर्ग॥ इग॥ विहायशाविह
व॥ विहायसगद्यविह॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥
विहग॥ विहर्ग॥ तत्रसुत्रव॥ तत्रसावगनगुमीतिउर्ग॥ इग॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥
ज॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥ धुवधृद॥

१५३

१३

कान॥ वर्थ॥ अस्मिद्वनीतिअस्मिद्वन॥ कवचवद्वनीतिकवचवद्वन॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥
कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥ कान॥ वर्थ॥

नृगता॥ असदानं नृमागमावकृय॥ ३

गिरैगंदन॥रासकन॥दिवाकन॥प्रताकन॥लिपिकन॥ॐ ह्यनदि॥ॐ स्वस्ति॥आतान्न
मिकाथसगिॐ स्वस्तिॐ ह्यतयत्ययारुवकि॥रुं वं कनामीति॥रुं वकनी॥टुर्हिदनि॥
अफवाफो॥दवानाम्नादिदवाकि॥वातायि॥स्वितिपदस्य॥स्वितिप्रत्ययघनयूच्यद
स्यमूमागमारुवति॥रुं रं कनामीति॥रुं रं कन॥प्रियंवदनीति॥प्रियवद॥आत्मानविरु
लीति॥आत्मरुवी॥उदरं विरुलीति॥उदरं रुवी॥रुं किं रानि॥उज्ज्वल॥उदकं यनॐ ह्य
दीनां स्वसप्रत्ययारुवति॥स्वकावामूमागमार्थ॥शकानप्रउच्चकार्यार्थ॥युनाक्षकि॥

[illegible]

साक ॥ यन्निवात् ॥ बह्वाय (लगा) रात्रवाद् ॥ हाट् ॥ वावसानम् ॥ वाहोवोणसादोस्त्रम् ॥ अत्र ॥
 दुःखमस्य वाहावाकावस्थोकावाद् (लगा) रात्रवात् ॥ सभादोस्त्रम् यत्र ॥ रात्रोद् ॥ रात्रोद् ॥
 रात्रवशा मित्यादि ॥ अत्रयजतीति अत्रयान् ॥ सहस्रम् (लगा) सह ॥ ४ व ॥ ४ अदि ॥ सादि ॥
 मिसह ॥ सकावस्थ मकावाद् (लगा) रात्रवात् ॥ न सपदाकत्र ॥ उवा सहस्रं ॥ तिर्नो दुस्वात् ॥ उ
 वास्वात् ॥ उवासाहो ॥ उवासाहः ॥ माताभता ॥ मकावाकस्य धाता मकावस्थ मकावात् रात्र
 ति ॥ न सपदाकत्र ॥ समूहसूयलम् ॥ प्रकर्षनलम् मतीति प्रलम् ॥ वनिनि विलाप ॥ अरुह

[illegible]

[illegible][illegible]

सर्वमद्वयं भूतानां सादृशं ॥ सममद्वयं नृणां सादृशं ॥ ३ ॥
 किं ॥ वृत्तमवधीति ॥ वृत्तं नवान् ॥ तिष्ठतु ॥ यजुतीति यजुः ॥ मूर्ध्नि प्राणिप्रसवर्गो वानिप
 ४ पित्रादुक्तं ॥ किं वा रुक्मिणी ॥ राव ॥ मृतवान् ॥ मृत्वा ॥ मरुतिजातं मरुतिजं ॥ ठित्वा दिला
 य ॥ सर्वमगमदीति सर्वगं ॥ सामंजसं ॥ यदिति सामंजसं ॥ ककुवत् ॥ धानावतीतु कालक ७५८
 ककुवत्प्रत्ययोरुवत् ॥ रावकार्यं या ॥ क ॥ कृतं पते ॥ ककावागुलप्रतिषधार्थं ॥ कर्तुः
 त्रिकुवत् ॥ उकावागुलप्रतिषधार्थं ॥ कर्तुं न वान् ॥ आगतादवदत् ॥ आगतं दवदत् ॥
 रावतपुंसकार्त्तं ॥ गत्यर्थं दकर्मकाच्च कर्तुं न क ॥ गत्यर्थं दकर्मकाच्च धनाकर्तुं न क प्रत्ययः
 त ककुवत् ॥ र्यव ॥

यावद्वति ॥ अट्गतो ॥ अट्तीत् ॥ तिज्जुटित ॥ अट्त्त प्राफ ॥ कृत ॥ धाना ॥ कृत्यप्रत्ययस्य
 वशादत्रिजगमावति ॥ स्ति ॥ गमूददमूडप्रगम ॥ गमादीर्घ ॥ धाक ॥ दाक ॥ कम
 कार्त्त ॥ काक ॥ अकावाशदशाशट्कप्रत्ययावाकिरुवति ॥ किं वा रुक्मिणी ॥ प्रधातिग ॥ प्र
 धूतिग ॥ प्रगतिग ॥ वदिग ॥ नूदिग ॥ नादिग ॥ मूषिग ॥ माषिग ॥ ॥ ताग्रहमिति दीर्घ
 ४ प्रदीग ॥ गृहीग ॥ नादिग ॥ नूदिग ॥ विदिग ॥ वदिग ॥ वृष्टि ॥ किं ॥ उवत् ॥ का द
 वत् ॥ काच्चि ॥ र्वधमा ॥ पत्रस्य किं ॥ प्रत्ययस्य वशादत्रिजगमानरुवति ॥ व ॥ रतः

॥ प्रितः॥ आदीदितः॥ आदिगः॥ दीदिताश्च दत्तवति॥ एतां गं कवर्तमाना यि॥ अशी गांधर्व
नां गप्रत्यथाश्च वतिवर्तमाना काला यि॥ दधस्य तादध॥ दका नाका इह वस्य किं ग रु दस्य
नर्त्तवति दका वस्य वनका व॥ किं मिथि स्तुतं॥ किं काले यि॥ दधस्य तादध॥ दका नाका
इह वस्य किं ग रु दस्य नर्त्तवति दका वस्य वनका व॥ रुक् प्रत्यथा॥ आका व॥ अतिदृष्टं
पताथ॥ मिदतकं॥ तिष्ठितं॥ कका व॥ गप्रतिध्वं॥ गका व॥ स्यनका व॥ मिन्नमनं
नेलतवर्तं॥ निश्चिदा गप्रकनला॥ पूर्ववर्तनका व॥ आदं॥ रु॥ दस्य वनकं॥

[illegible]

१३०

40

[illegible]

۷۵۶

[illegible]

हृषीकेशोपलभ्यो हवतः शतोचनि पतवत् ॥ ति पश्ये यदात्मन पदयार्हवति ॥ पचञ्जल
 ॥ ति स्त्रित ॥ अपक र्हे वि ॥ अद ॥ लको न ॥ लाय ॥ नाम सं ह्य यां श्या दि वि रु कि ॥
 ॥ वि गान् म ॥ हृष ॥ प ॥ स लाय ॥ पच न् अ ॥ पच ना रु ॥ प ० कि ष ति ॥ १ गे गान ॥ ग
 य न् ग रु ति ॥ मृ गान् त ॥ अ कान् स न् प च मृ गान् ग मा रु व ति ॥ पच न् ॥ ति प च माः
 न ॥ प ० ति प ० न् य उ मा न स्तो ति ॥ ग ता द न् मृ प ॥ म न् न ॥ ति म न् वा न ॥ अ स ता नः
 ॥ ॥ अ स क्ता ना म्ब न स्या न स्या का न स्य ॥ का ना द ॥ ह व ति ॥ ह व ति ॥ अ रु ॥ तिः

१३२

अशीन ॥ वादी ॥ १ ॥ १ ॥ अद ॥ लको न ॥ लाय ॥ नाम सं ह्य यां श्या दि वि रु कि ॥
 का न् ॥ का न् ॥ पि च प न् ॥ अद ॥ लको न ॥ लाय ॥ नाम सं ह्य यां श्या दि वि रु कि ॥
 ल्य ॥ अप लय स्य य प लय स्य च र्वा धि ना अ कान् स न् प च मृ गान् ग मा रु व ति ॥
 व ति ॥ ह व ती ति रु व ती ॥ प च ती ति प च ती ॥ प ० ती ति प ० ती ॥ ह स ती ति ह स ती ॥
 दि द्य ती ति दि द्य ती वा मा द ग्ध न् ॥ पि स अ ल्ति ग ॥ १ ॥ शि व्य ती ति शि व्य ती ॥ दि न् क
 ती च रु र्त्त म् प ति ष ॥ धा व क व ॥ द द ती ति द द ती ॥ द द ती ॥ य क ती ति य क ती ॥ य क ती

जगती तिजाग्रता दत्रिडा इर्गती ॥ दत्रिडा दवाला यावकव्य ४ ॥ दत्रिडा ती तिदत्रिडा ताद ३
 त्रिडती ॥ वकास ती ति वकास ग ॥ वकास ती ॥ अनसास ग ॥ विदवी वस ४ ॥ विदधा ता ४
 गल विषय वावस पत्यथारवति ॥ वती ति विधान ॥ पक ॥ वदग ॥ अग्रह वरुण ग वरुण
 पक्षार्थ निपात्य ग ॥ अग्रह वकास रुह मिथ ४ ॥ तग्रह वरुण ग वरुण वरुण
 रुह ॥ धाता रुह न पत्यथारवति ॥ गील सखा वरुण ॥ तका वरुण पत्यथारुह रुह पत्यथारुह ४ ॥
 कमल गील ४ कर्क ४ ॥ रुह वरुण गील रुह वरुण नयन गील नयन ॥ रुह वरुण गील रुह वरुण ॥ विव न

१५३

८३

अजनाद ॥ ३

गीला रुह ॥ विव नयन गील विव नयन ॥ ०० ॥ ०० ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥ ०० ॥ रु
 वरुण ॥ धाता ४ गील सखा वरुण ०० ॥ ०० ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥ ०० ॥ रु
 ४ ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥ अग्रह वरुण ग वरुण ४ ॥
 गील ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४ याजि रुह ४
 मय्य जि रुह ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४
 रुह ४ धाता ४ गील ४ याजि रुह ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४ रुह वरुण गील ४

५२

[illegible]

ममर्षलो॥ जिघृक्षुनीति जिघृक्षु॥ कमृकाको॥ डकनप्रत्यय॥ लफानावृद्धर्थ॥ का
मयतीतिकामृक॥ रुसुलायां॥ रुविडंशीलमस्यहावृक॥ लम्पद्वृत्तवद॥ नमादन
॥ नमादध्वानो॥ शीलथेनप्रत्यथारुवनि॥ दीयिकपिजसिजशमोक्तं हि सिकमिस्मिद
इषदशननमात्रयननमदय॥ नममशील॥ नम॥ हिशिर्दितायां॥ हिंसनशील॥ द्विमे
माञ्जुजननशील॥ ज्ञुजप्र॥ कमनशील॥ कप्र॥ कप्र॥ दीप्र॥ ध्रुजुदनगाधसाद॥
कन॥ धसादध्वानो॥ कनप्रत्ययारुवनि॥ ककानगुलप्रतिषधार्थ॥ धसनशील॥ धम

न॥ अद नलील॥ अद न॥ सु मन॥ स नलील॥ मल॥ किदि रिदि विदां क न॥ कि
 इ न॥ रिदु न॥ विदु न॥ रा साद र्च न॥ रा साद र्च ना र्च न॥ य य रा र व नि॥ य का न॥ चिक्काः
 यार्थ भा रा सु दी फ॥ रा स नलील॥ रा सु न॥ रं क॥ आ म द न॥ च आ॥ का ग्ने धि नि॥ च आ॥ क
 गा वि नि क को न॥ को गे न॥ रा र व ग॥ भा रं न॥ नलील॥ रं गु न॥ य अ द व यू जा स ग नि क न॥ दानं भू
 ॥ अ नि र्थे य रु सा रु सा दि द र्थे रु दि य न॥ य रु ड क॥ अ रु का धा ना नू प य रा र व नि॥ य दान
 क॥ ग लू नि यो गे य दान् रु व नि॥ पूर्व य रु सा दि॥ रा म॥ य॥ यू क॥ नि र्दि त॥ आ ग॥ य॥ पूर्व

१५३

य कर

सं व नि न॥ अ का न र थ अ का ना र व नि॥ य॥ रु क॥ नू द न र्म॥ द नलील॥ अ म अ
 पां नू गि नि नू मा ग म॥ पूर्व य॥ दं द यू क॥ अ य नलील॥ अं अ यू क॥ व द नलील॥ वा व द
 क॥ आ ग व ली ल॥ आ ग नू क॥ आ द न॥ कि दि य रु न॥ अ का ना का द का ना का र्थ ना॥ १॥ नी
 ल र्थ रु न का न॥ कि॥ य य रा र व नि॥ धा ना घ दि र्च च र्म॥ रा म॥ रं॥ मं॥ य॥ य॥ र्थ॥ दं॥ दं॥ र्थ॥ कि
 रं॥ रं॥ अं॥ का॥ न॥ वि॥ न॥ अं॥ कि॥ यो॥ लो॥ क॥ म॥ लो॥ दि॥ जा॥ न॥ स॥ दाना॥ द॥ य॥ स॥ व॥ सि॥ न॥ का॥ न॥ उ॥ ल
 द॥ य॥ य॥ य॥ रा॥ र॥ व॥ नि॥ ॥ रु॥ रु॥ य॥ क॥ न॥ ल॥ ल॥ का॥ ना॥ रु॥ च॥ य॥ ॥ क॥ ना॥ नी॥ ति॥ का॥ न॥ ॥ वा॥ ग॥ नि॥ व॥ च॥ न

याशावातीति वायुः॥ अनायूकः॥ अमिषः प्रकथयामिनातिमायुः॥ स्वदस्वादने अस्वाद
नः॥ स्वादश्चापूषा अस्वादनं वादनं च॥ दृढमवा दः॥ धृतिः॥ प्राणतीति काष्ठः॥ एष
त्ययश्चमज्ज्वलकपालनं॥ मूकप्रलयः॥ ककावकित्कार्यार्थः॥ कित्वात्वं पशान्तं॥ अ
वतीति उमः॥ अतसागलममनं॥ मलिप्रलयः॥ लकावा दृष्टार्थः॥ अगतीति आत्मा॥
मय्युपधा मत्र॥ मलिप्रलयः॥ यथा यथा यथा रूतस्य जकावस्य वकावदः॥ रुवनि॥ एहि एहिः
वैदिवैदो॥ वृहत्वा दृहलत्वाद्वा वक्ता॥ धृषध्वानलया घलया॥ मप्रत्ययः॥ धानलं द्यम् ॥

[illegible]

गतिनिवृत्तिः॥ सुखं लभस्य सुवनम्॥ नाहं ज्ञाहं दीप्तो॥ नाहं ज्ञाहं दीप्तो॥ नाहं ज्ञाहं दीप्तो॥ नाहं ज्ञाहं दीप्तो॥
योगीति युवा॥ नूतनः॥ मनूयास्का॥ शर्वभूतस्य॥ मनूयन्तु सुक॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
कर्मपापं॥ ऊ॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
यौ॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥
नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥ नूतनः॥

दमीतिवद॥ अथकतं॥ निगक॥ नूदमीनिनूद॥ यूषमीति यूषं॥ हलमीतिहलं॥
मूलमीतिमूलं॥ उनादथापविमिता॥ प्रत्यगमनूपत्यथाकथा॥ उमन्तदर्थयोरुविष्य
ति॥ अनाहविष्यतिकालं उमप्रत्यथाहवति॥ तदर्थयोर्याक्रियां प्रशङ्कमानां॥ उज्याल
नाम्यवहानेया॥ राहुं ब्रजानि॥ प० उमी॥ रू० उमी॥ हन॥ द० उ॥ राव॥ अनाहवर्थः
उप्रत्यथाहवति॥ अ० उ॥ क० गोधिनि॥ अ० उ॥ क० कोवगकावोहवन॥ धितिपत्र॥ प० अ०
तिपाक॥ उ० का० वा० उ० अर्थ॥ लज्जानो॥ अथकतं॥ निगमा॥ उ० ह॥ उ० प्रत्यथाग॥ अ० नू

[illegible]

५१०

[illegible]

कामः ५

[illegible][illegible]

उद्यानं ॐ निजिधिवान्मजगन्वान् ॥ ददतिवान् ॥ ददध्वान्मजगन्वान् ॥ १ ॥ एतन्मोनिनवतुक्तिः
यायानिधियायदेगम्यमानं १ ॥ एतन्मोनिप्रत्ययो रवतः ॥ मोनिप्रत्ययान् ॐ निधनस्येवदात्मनः
यदयारुर्वागि ॥ यत्र अरु ॐ निधितः ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥
स्यादिर्विरुक्कि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥ अयुक्कर्वि ॥
मानं ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥
न ॥ प० निधनं यजमानकोनि ॥ तनादवृष्ट ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥ मयन्मजगन्नि ॥

[illegible]

कमीति यक्रम ॥ यक्रमी ॥ जागलीति जाग्रत ॥ जाग्रती ॥ दविद्रादृ गतो ॥ दविद्रादृ गतो ॥
 यावक्रय ॥ दविद्रातीति दविद्रात ॥ दविद्राती ॥ वक्रासनीति वक्रासत ॥ वक्रासती ॥ जू
 नूसासत ॥ विद्वतीवसू ॥ विद्वतीता ॥ लुविषयवावसूययथा रते ॥ विंतीति विद्वान् ॥
 पक ॥ विद्वत् ॥ अयवेले मय रुवद्धो यूष्म ॥ धेति पात्यते ॥ अयवेको रुद्विधा ॥ मय रु
 वक्रिर्गवत्याद रालिर्न ॥ लीलहन ॥ क्षतो रुन् प्रत्यथा रुवगि नीलखलाव ॥ ध ॥ नका
 प्रप्रत्यय रुद्विधा पनार्थ ॥ कनललील ॥ कली ॥ रुन ललीवाहको ॥ नयनली वीनता ॥ रुनलीति सी र

११३

ॐ मलकन ॥ मलकन ॥ लरुलारु ॥ इलरु ॥ इलवनयुथन ॥ दूयाधन ॥ मयुधसंप्रदान ॥ ॐ मद्रुयः
 न ॥ ॐ गि ॥ मद्रुवन ॥ मद्रुव ॥ मयानीथो ॥ क्षता ॥ मयानीथो ॥ प्रत्यय रुवत ॥ मयानीथो ॥ विषयानि
 का ॥ रुविषयि ॥ निरुविनय ॥ रुग ॥ ॐ गि ॥ ॐ ॥ अयन ॥ ॐ गि ॥ अयनीय ॥ कविष्यति ॥ ॐ गि ॥ कर्क
 य ॥ कविष्यति ॥ ॐ गि ॥ कननीय ॥ दानव्यं दानीय ॥ पानीय ॥ मृगव्य ॥ मृनीय ॥ मयनीति नमः
 नीय ॥ लयक र्य ॥ प्रिजुनीय प्रत्यय ॥ ॐ गि ॥ कवि ॥ ॐ गि ॥ मयानीथो ॥ मयानीथो ॥ मयानीथो ॥
 गृध्रन ॥ ॐ गि ॥ गृहीतव्य ॥ गृह्णन् वन ॥ पवित्र्यत ॥ ॐ गि ॥ वीतव्य ॥ स्ववाय ॥ स्ववाका कर्तव्य

प्रत्यया एव नि॥ कुरुंथाग्यं कर्यं॥ ऊरुंथाग्यं ऊर्यं॥ अतय कर्यं ऊर्यं मनः॥ वरुंथाग्यं वर्यं॥ नरुं
थाग्यं नर्यं॥ कर्यं उर्यो गच्छार्थं निघा लतया कुरुंथाग्यं कर्यं॥ ऊरुंथाग्यं ऊर्यं॥ अतय कर्यं
यं मनः॥ अक्षकात्॥ प्रवर्गनाज्ञानाः॥ एकदश्रय प्रत्यया एव नि॥ अफु थाग्यं अफ्यं॥ इल रुधः
पादा॥ लडुंथाग्यं लर्यं॥ गरुंथाग्यं गर्यं॥ सरुव॥ सरुमये॥ सारुंथाग्यं सर्यं॥ अरुमेय
न॥ ऊर्वींथाग्यं ऊर्व्यं॥ नूचिवाचनदिफोय॥ वाचयनु र्णकं नूर्यं॥ णीवात॥ आकावाक्ताद्वाः
तार्यय प्रत्या एव नि॥ आकावश्यं काव॥ दाउंथाग्यं दार्यं॥ ह्यरुंथाग्यं हर्यं॥ घाउंथाग्यं धर्यं॥ म

[illegible]

लघुचिकायां॥ अनादौ ध्यातव्यं॥ सप्रत्ययाकादपि द्विर्वचनं॥ संश्रुत्वा लामा॥ ध्यात्वा०॥ निहि
 तं॥ क्रस्व॥ पूर्वदशादि॥ (१५४) भाय॥ गत॥ सधाहु विनिष्कारु विनिर्गच्छायां तव प्रत्यय॥ नि
 तत्रां धाहु मध्या, निदिध्यासितव्यं॥ ह्रास्वमिच्छाविजिह्वासितव्यं॥ ह्रस्व०॥ नि०॥ गतव्यानी
 यद्वा प्रस्वराद्य॥ एतन्मया दय॥ उनावन्धक॥ उवर्त्तुनादावन्धक॥ (१५५) प्रत्ययान्वयनिग
 ओदो नार्य प्रत्यय॥ स्वनवत्॥ अन्वयं रुविर्गुणार्थं॥ अन्वयं राव्यं॥ अन्वयं नाव्यं॥ अन्वयं लाव्यं
 लृपदवन्धम॥ ह्रस्व॥ घञ्शमाख्याना॥ कप्प्रच्यालो हावकर्म॥ गतव्यानीयोस्वरा

[illegible]

॥ उरुसं वन (ला) उरु सं ॥ वद ४ क पुरा वा दो ॥ मुखो उ य न ॥ नि मृ घा र्थ ॥ व न्न ल उ य नं या क थ
 सा व न्न य ॥ गु दी उं या य ॥ अ गृ ष्ण श ना ॥ क्रि यां य ज्ञा रा व ॥ अ ज्ञा द या ज्ञा ता ॥ क्रि यां रा व न्न य ॥ १० ॥
 प्र ण या रु व नि ॥ कि त्वा र्थ प्र सा न लं ॥ वृ जी व र्ज न ॥ प्र क र्ष ल व न्न न ॥ अ य्या मि ति ॥ प्र वृ ष्ण ॥ रु के
 रु ॥ रु के न का व र्ण न का वा रा व नि ॥ कि ति य न ॥ रु न्य न ॥ नि व न्न रु न्या ॥ अ न्न न ॥ नि ॥ अ ॥ म ह व ज्ञा या
 स म्य क स मं क र्ण न ॥ नि स मं क ॥ अ ज्ञ ग मं क य न ॥ कि ॥ अ न्ना ॥ कि प्र ण या रु व नि ॥ क्रि या रा व
 अ क रु य का न क ॥ अ न्न रु नि ॥ वि नि ष र्ण रु नि ॥ वि रु नि ॥ रा व नं रु रु नि ॥ लो ध नं रु नि ॥ प वि ॥

ति १

वि श्वा न ॥ नि ता म नू ॥ य य नं य कि भा र्हे वे ष्ठा य (ला) र्थ प्र सा न लं ॥ दि ता ला या दी र्घ य ॥ उ
 दि ॥ र्थ वि रु नि ॥ ला या दि ता ॥ नि न का व र्ण न ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥
 व न्न कि प्र ण या रु व नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥
 य य ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥
 अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥
 (थ) अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥ अ न्न रु नि ॥

धनल॥ विपूर्व ॥ विधनं विवृति ॥ ॐ क्रियो धननिर्द्ध ॥ धनानि निर्गोपयथो रवम
॥ पवनि ॥ अयनि ॥ पिवनि ॥ य ० नि ॥ गमि ॥ गच्छनि ॥ धिदिदामद ॥ धिना धनारिदादय ॥ १००
क्रियामद प्रत्यथारवनि ॥ पवा ॥ मृक्षुष्टुचो ॥ मृजा हिदा ॥ हिदा ॥ जनयप्रदानुर्वधनहि
ना ॥ प्रत्यथारवनि ॥ जना ॥ धप्रवयाहानो ॥ युवार्हसात्ता युवमकार्त्ताहसात्तादप्रत्यथ
रवनि ॥ ॐ हव सुयां ॥ ॐ ह ॥ उरुविगर्क ॥ उह ॥ ॐ कदनीतां कनया ॥ ॐ नीका ॥ प्रत्यथाः
काश्च ॥ प्रत्यथाकाधनानकानप्रत्यथारवनि ॥ विकीषा ॥ पूषीया ॥ आवत ॥ क्रियां ॥ ॐ ह ॥ प्र ॥ पू

वकालस्का ॥ समानकरु कधनो प्रयुक्तमान पूर्वकारे कायप्रत्यथारवनि ॥ स्नात्वा युंका ॥ यु
का प्रजनि ॥ काश ॥ वहिदा ॥ वदिता ॥ विदिता ॥ अलंखत्वा ॥ धनियधका ॥ अलंखत्वा ॥
खलुत्वा ॥ उदिता ॥ उदिता ॥ कावर् ॥ उदिता ॥ कावर् ॥ रवनि ॥ ॐ मृक्षुष्टुचो ॥ ॐ ह ॥
उषित्वा ॥ उह ॥ उषित्वा ॥ समासेकप ॥ समाससनि पूर्वकालकप प्रत्यथारवनि ॥ गत्करु
कधनो प्रयुक्तमान ॥ क्खान् कप ॥ पित्वा रुक् ॥ शरु एकवाति लमप्रकत्व ॥ धन ॥ जन ॥ पूर्व
ॐ एक ॥ ना ॥ एकानाद ॥ किपि ॥ अशु ॥ अहत्वापनि लमय्यशु ॥ गत्कालपिह ॥ धन ॥

नर्तनमोलनममूर्खं वादाय स्वायिति ॥ योनः ॥ नूयलमधिथ ॥ समानकहकयू धाउषप्रयुक्तमा
नमूयूर्वकालपोनः ॥ पूयर्थधामार्त्तमप्रत्ययार्त्तवति ॥ तस्यपदस्यद्विर्बर्तनं ॥ जूमायूक् ॥ पापै
यं पायंगच्छति ॥ गार्त्तार्त्तवृत्ति ॥ कथमादिवृत्ता ॥ र्थलमदृष्टाकर्त्तकान ॥ नृत्तं कान ॥ युवाव
वावक्ष्यमावृत्तयुयंगत ॥ लमकपदस्य उपक्षयायुल ॥ लकनीर्मृच्च ॥ लकदर्शनं कनया ॥ ल
म्भी ॥ लयायनः ॥ कीवृत्त ॥ द्योयौ ॥ लोदसीघातया ॥ लिलाय ॥ लीयागकस्यलाय ॥ लित्वादीप्
॥ लीवृत्त ॥ लीकान ॥ लूफान ॥ लकाव ॥ लदिह ॥ लवान ॥ लकावादिनिनामानि ॥ प्रत्वागणसं

नावतांशावतानि नमसीतीयानि संग्रामं जनयन्ति म॥ लाक कृष्णस्य सिद्धिर्यथा मातृवर्धितवा दशा स्वनूपाकाः
 नूरुत्यादि ४ गदा ३ रश्मि सार्धक ४॥ समस्त वीर्युगां च कृष्णकियां च रुद्राविगां जूवता द्वादश यथीव ४ कमला
 कनः ०० श्वत्र ४ सूना सूतनाका नमधूपायी नयकृज ४॥ ०० निशीप नमदं सयत्रिवाज कानूरु निखनूपाच
 र्यवित्रिना सत्रस्त्रिनायकिया समाका ॥ ०० ॥ ०० ॥

२६० को मल

२॥ द्विं का कल ॥

जुलसर्वसाहाय्य

द्विर्गाराग्रमुखी मृगगाराग्रकटी नृगाराग्रिनरंय मटी। यति सायवनी हवयवहनि. करुकरयकाममात्रिविधि॥२॥
उरुखिलप्रमिदने यदकप्रलयादि उल्लखित मृगदिनयना नने
सादेनलीकलमृमान। प्रसीकलमृलच नपह नमिदिलम्बा वन विहासिवनि
एतानाव दनापुरवामुजा ला मृग

१७३३

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or chapter heading, possibly reading "श्री गणेशाय नमः" (Shri Ganeshaya Namah).

30

五

來

३३३

157



१ स्वस्ति श्री

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

672

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

